

बिके माथा साटे ओ म्हारी माँ या चुनर सतगुरु की



बिके माथा साटे ओ म्हारी माँ,
या चुनर सतगुरु की।bd।

चुनर ओढ़ूँ तो कुटुंब लजाए,
चुनर ओढ़ूँ तो कुटुंब लजाए,
नहीं तो ओढ़ूँ तो मन ललचाए,
या चुनर सतगुरु की,
बिके माथा साटे ओ म्हारी माँ,
या चुनर सतगुरु की।bd।

चुनर छोड़ूँ तो सतगुरु लाजे,
चुनर छोड़ूँ तो सतगुरु लाजे,
म्हारो मनक जमारो भी लजाए,
या चुनर सतगुरु की,
बिके माथा साटे ओ म्हारी माँ,
या चुनर सतगुरु की।bd।

चुनर ओढ़ूँ ने पियर छोड़ूँ,
चुनर ओढ़ूँ ने पियर छोड़ूँ,
म्हारा सासरिया रो सिंगार,
या चुनर सतगुरु की,
बिके माथा साटे ओ म्हारी माँ,
या चुनर सतगुरु की।bd।

बिके माथा साटे ओ म्हारी माँ,
या चुनर सतगुरु की।bd।

स्वर – संत श्री कमल किशोर जी नागर।
